खाटू कितनी दूर | by Raj Pareek

माये नी मेरिये बाबे दी गलियां
खाटू कितनी दूर
जयपुर नी वसना, रींगस नी वसना
खाटू ता जाणा ज़रूर

खाटू दी गलियां सुपणे च औंदी
अँखियाँ च छाया सुरूर

ओदी ही करनी हां मैं जी हज़ूरी
मालक ओ मेरा हज़ूर

मैं ता बाबे दे मंदार नु जासा
ओ मेरी अँखियों दा नूर

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%95%e0%a4%bf%e0%a4%a4%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%a6%e0%a5%82%e0%a4%b0-by-raj-pareek/